कोविड-19 के द्ष्टिगत लगभग 30% पाठ्यक्रम कम करने के पश्चात शेष पाठ्यक्रम का सत्र 2021-3-2022 हेतु अध्यायवार मासिक शैक्षिक पंचांग

वर्ष – 2021–2022
विषय– शिक्षाशास्त्र
कक्षा– 12

क्रम	माह	पाठ्यक्रम
1	20 मई 2021 से	(खण्ड 'क') इकाई –1 – शैक्षिक विचारधारा का विकास, प्राचीन कालीन शिक्षा : वैदिक कालीन शिक्षा
2	जून	(खण्ड 'ख') इकाई – 1 सीखना– अर्थ, परिभाषा, प्रक्रिया, विशेषताएँ। (खण्ड 'क') इकाई – 1 1–बौद्धकालीन शिक्षा 2–मध्यकालीन शिक्षा
3	जुलाई	(खण्ड 'ख') इकाई – 1 –सीखने के नियम व सिद्धान्त। (खण्ड 'क') ब्रिटिश कालीन शिक्षा (स्वतन्त्रता प्राप्ति के पूर्व शिक्षा का विकास)
4	अगस्त	(खण्ड 'क') – आधुनिक कालीन शिक्षा : स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् शिक्षा का विकास। (खण्ड 'ख')– 'अवधान' और 'रूचि', मूल – प्रवृत्तियाँ,'प्रेरणा'
5	सितम्बर	(खण्ड 'क')–राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 1986 –पण्डित मदन मोहन मालवीय, महात्मा गाँधी (खण्ड 'ख')–पुरस्कार एवं दण्ड।
6	अक्टूबर	(खण्ड 'ख')– इकाई–2–मानसिक स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान– मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान एवं मानसिक स्वास्थ्य उनके अर्थ एवं महत्व। (खण्ड 'क')–पर्यावरण शिक्षा अवधारणा स्वरूप, आवश्यकता, महत्व, प्रदूषण की समस्यायें एवं उनका निराकरण।
7	नवम्बर	(खण्ड 'क') इकाई–2 ख– पर्यावरण को प्रभावित करने वाली प्राकृतिक आपदायें यथा– आग,सूखा,बाढ़,भूकम्प, समुद्री लहरें आदि की मूलभूत जानकारियां, उनके प्रभाव तथा अ़र्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन।
8	दिसम्बर	इकाई–3 परीक्षण एवं निर्देशन (क) बुद्धि उपयोगिता का सामान्य ज्ञान, अर्थ, स्वरूप एवं वर्गीकरण एवं परीक्षण।
9	जनवरी	(खण्ड 'क')इकाई–3 शिक्षा की समस्यायें, शिक्षा का प्रसार, शैक्षिक स्तर, बालिकाओं की शिक्षा एवं सामाजिक शिक्षा। (खण्ड 'ख') इकाई –3 (ख)– उपलब्धि परीक्षण एवं प्रकार व्यक्तित्व–अर्थ प्रकार तथा

		व्यक्तित्व परीक्षण।
10	फरवरी	(खण्ड 'क') पुनरावृत्ति कार्य प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन–2022
11	मार्च	यू0पी0 बोर्ड परीक्षा का आयोजन– 2022

30 प्रतिशत कटौती का पाठ्यक्रम

कोविड 19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र– 2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारेपरान्त विषय– विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है–

(खण्ड 'क')

(आधुनिक शैक्षिक विचारधारा का विकास)
(ख) एनीबेसेन्ट और रवीन्द्र नाथ टैगोर।
इकाई–3– जनसंख्या

(खण्ड 'ख')
(शिक्षा मनोविज्ञान)

इकाई 1– सीखना (क) प्रत्यावर्तन का सिद्धान्त
इकाई 3– परीक्षण एवं निर्देशन (ग) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन– उनके अर्थ एवं महत्व।